1. दुधारू पशुओं की नस्ल :

1.1 गाय :

1.1.1 साहीवाल :

- ऊपर से नीचे तक फैला हुआ भारी भरकम और सममित (Symmetrical) शरीर।
- पतली लम्बी गर्दन।
- बढ़िया गलकम्बल (Fine dewlap) जो कि नर पशुओं में अपेक्षाकृत बड़ा होता है।
- चौड़ी और गहरी छाती।
- छोटे-छोटे मोटे सींग, जिनकी लम्बाई 7.5 सेंटीमीटर से अधिक नहीं होती।
- शरीर के आकार के आनुपातिक सुन्दर पैर।
- भूमि तक लटकी हुई चाबुक जैसी लम्बी पूंछ जिसमें काला धब्बा होता है।
- गायों का अयन बड़ा और सुव्यवस्थित (Well placed)। थन सुन्दर ओर एक बराबर लम्बे। दुग्ध शिरायें बड़ी-बड़ी, लम्बी, तथा लचीली।
- अच्छी गुणता की ढीली और मुलायम त्वचा।
- नर पशुओं में स्थूल ककुद (Massive Hump)।

1.1.2 रेड सिन्धी :

- साधारण आकार का आनुपातिक सर।
- चौड़ा ललाट ; जिस पर छोटे-छोटे बाल उगे होते हैं।
- मध्यम आकार का चेहरा ; जिसमें पूर्ण विकसित काला थूथन (Muzzle), चौड़े नथुने और मोटे मोटे ओष्ठ (Muscular Lips) होते हैं।
- बड़ी-बड़ी आंखें जिनमें अपेक्षाकृत छोटी भोंह होती हैं।
- मध्यम आकार के लटकते हुए कान।
- कुछ अधिक मोटे सींग जिसका सिरा खुँडा होता है।
- छोटी गर्दन जो कि काफी मोटी होती है।
- बड़ा गलकम्बल (Dewlap) जो पतला और मुलायम होता है।
- सीधे मध्यम आकार के और बलिष्ठ पैर।
- काले धब्बे युक्त पतली पूंछ।
- अच्छे आकार का लम्बा, चौडा और गहरा निलम्बी अयन (Pendulous Udder) जो आगे की ओर तो खूब निकलता रहता है परन्तु पीछे कम ।
- थन अच्छे और एक सी-लम्बाई तथा आकार के होते हैं। दुग्ध शिरायें भली प्रकार विकसित, प्रत्यास्थ (Elastic) और शाखा युक्त (Branched) होती है।

- त्वचा बहुत ढीली और छूने में मुलायम होती है।
- बालों के नीचे शरीर का रंग लगभग काला होता है।

1.1.3 जर्सी :

- विदेशी गाय की इस जाति का मूल स्थान इंग्लैड के पास का जर्सी द्वीप समूह है।
- इस जाति का रंग हल्का लाल जिस पर सफेद रंग के धब्बे होते है तथा कभी कभी इनका रंग हल्का लाल या बादामी भी होता है।
- यह दूध देने वाली गाय की एक उत्तम नस्ल है। जिसका शरीर अच्छा विकसित एवं चुस्त होता है।
- इनका सिर पीठ एवं कंधा एक लाइन में होते हैं तथा इनका पेट पूर्णत: विकसित होता है।
- मादा का शरीर 425 से 450 किलोग्राम होता है।

1.1.4 हाल्स्टीन फ्रीजियन :

- इस जाति का मूल स्थान यूरोप के नीदरलैंड के फ्रीजलैंड प्रान्त को माना जाता है।
- इस जाति की गाय भारी शरीर वाली होती है। इनका रंग विशेष रूप से काला, सफेद, कभी कभी लाल सफेद होता है।
- इन जाति के पशुओं में सींग हो भी सकते हैं और नहीं भी लेकिन कूबड़ नहीं पया जाता है।
- इनका Muzzle चौड़ा, नथने खुले हुये एवं जबड़े मजबूत होते हैं।।
- आंखें चंचल चमकदार व बड़ी तथा कान मध्यम आकार वाले होते हैं।

1.2 भैंस :

1.2.1 मुर्रा :

- अपेक्षाकृत छोटा सिर जो सांड़ों में स्थूल और भारी होता है।
- चौड़ा थोड़ा सा विशिष्ट (Prominent) ललाट।
- मादाओं में विशिष्ट, चंचल और चमकीले नेत्र, लेकिन नर पशुओं में ये इतने प्रमुख नहीं होते।
- छोटे-छोटे कान जो पतले और निलम्बी होते हैं।
- चमकदार मुड़े हुए सींग। इन्हीं सींगों के कारण इस नस्ल का नाम मुर्रा पडा हैं।
- मादा पशुओं में लम्बी पतली गर्दन, लेकिन नर पशुओं में यह स्थूल (Massive) होती है।
- गलकम्बल नहीं होता।
- छोटे-छोटे सीधे पैर जिनके खुर काले रंग के होते हैं।
- मादा पशुओं के शरीर का आगे का भाग हल्का और पतला होता है और पीछे का भाग भारी और चौड़ा होता है। इस प्रकार इनका शरीर वेजरूपी (Wedge shaped) दीख पड़ता है। नर पशुओं में आगे का भाग भारी और पीछे का हल्का होता है।
- ककुद नहीं होता।
- पीठ चौड़ी तथा लम्बी जो सामने की ओर ढालू और पतली होती है।

- टखनों तक लटकती हुई लम्बी, पतली और लचीली पूंछ जिसके सिरे पर सफेद गुच्छा होता है।
- पूर्ण रूपेण विकसित अयन जिस पर टेढ़ी मेंढी दुग्ध शिरायें होती हैं यह अयन आगे और पीछे दोनों ओर फैला हुआ होता है। लम्बे-लम्बे दूर-दूर स्थित स्तन। आगे के स्तनों की अपेक्षा पीछे के स्तन लम्बे होते हैं।
- पतली, मुलायम और चिकनी त्वचा जिस पर बहुत कम बाल होते हैं।